**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 03-09-2024**

**नैनीताल(उत्तराखंड ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-09-03 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2024-09-04 | 2024-09-05 | 2024-09-06 | 2024-09-07 | 2024-09-08 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 23.0 | 30.0 | 35.0 | 37.0 | 30.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 27.0 | 27.0 | 26.0 | 26.0 | 27.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 20.0 | 20.0 | 21.0 | 21.0 | 20.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 78 | 83 | 83 | 87 | 82 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 40 | 45 | 45 | 45 | 45 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 6 | 6 | 7 | 7 | 6 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 140 | 140 | 140 | 140 | 140 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 6 | 7 | 8 | 8 | 7 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में 23-37 मिमी के बीच हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 26.0 से 27.0 डिग्री सेल्सियस और 20.0-21.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। दक्षिण-पूर्व दिशा से 6.0-7.0 किमी/घंटा की गति से हवा चलेगी। 4 और 5 सितंबर को अधिकांश स्थानों पर, 3, 6 और 7 सितंबर को कई स्थानों पर, 8 और 9 सितंबर को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 3 और 6 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने/तेज बारिश के साथ गरज के साथ तूफान आने की पीली चेतावनी दी गई है। 4, 5 और 6 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा के साथ इसी तरह की स्थिति की चेतावनी दी गई है।

## सामान्य सलाहकार:

ेषेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैंऔर गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध दामिनी" ऐप से बिजली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.20-0.40 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 30.08.2024 से 05.09.2024 के दौरान सामान्य वर्षा, अधिकतम तापमान तथा सामान्य से उप्पर न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

## लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, हल्की से मध्यम वर्षा की चेतावनी दी गई है, इसलिए उचित जल निकासी के उपाय किए जाने चाहिए और कृषि गतिविधियों को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| चावल | धान में कहीं-हींहींकहीं हीं पर बैक्टीरिया जनित झुलसा रोग का प्रकोप देखा जा रहा है। जिन खेतों में पंक्तियों के अगले भाग सूखकर सफेद हो गये हों या पंक्तियो के दोनों किनारे ऊपर से नीचे की ओर |

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| | सूखते हुये सफेद हो रहे हों वहाँ खेतों में कॉपर ओक्सीक्लोराइड 500ग्राम तथा स्टेपटोसाइक्लिन 15ग्राम, 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिकाव करें। छिड़काव करने के पूर्व खेत से पानी निकाल दें तथा यूरिया का प्रयोग न करें। छिड़काव 7-10 दिन के अंतराल पर करना चाहिए। धान की फसल में रोपाई के 45-50 दिन बाद, तना बेधक का प्रकोप होने पर, क्लोरान्ट्रा निलिप्रोले 20 एस सी 150 मिली/है0 या फ्लूबेंडिबें बें बें यामाइड 480 एससी 75 मिली/है0 या फिप्रोनील 5 एससी 1.0 लीटर या कॉरटाप हाइड्रो क्लोराइड 50 डब्लू पी 600ग्राम या क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी 2.5 लीटर 500-600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से छिड़काव करें। |
| रागी | फसलों की निगरानी करते रह और फसल यदि में तना बेधक कीट छति पहुँचता है तो इसकी रोकथाम के लिए फिप्रोनिल 5 एस. सी. 1 लीटर या कॉरटाप हाइड्रो क्लोराइड 50 डब्लू. पी. 600 ग्राम या क्लोरपाइरीफॉस 20 ई. सी. 2. 5 लीटर 500-600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। |
| मक्का | फसल की उचित निगरानी करें और झुलसा रोग के लक्षण दिखने ( लम्बे तथा अण्डाकार नाव के आकार के पीले से भूरे राण के धब्बे ) पर मैंकोजेब या जिनेब 75 डब्लू पी की 1. 5 -2. 0 कि. ग्रा. मात्रा को 750 -800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से डालें। दूसरा छिड़काव प्रथम के 10 -15 दिन बाद करना चाहिए।सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए । |
| सोयाबीन | कीटों और बीमारियों के लिए फसल की निगरानी करें। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| पालक | इस माह में पालक की बुआई की जा सकती है। |
| मिर्च | मिर्च की फसल का ऊपरी तना सूखने पर तथा काला पड़ जाने पर फसल को बचाने के लिए संक्रमित शाखाएं तोड़ कर हटा देना चाहिए। फसल को सड़ने से बचने के लिए 0.1% कैर्बेन्डाजिम घोल का छिड़काव करें। |
| गोभी | फूलगोभी की पछेती किस्मों, स्मों स्मों स्मों पत्तागोभी की किस्मों और नोल-खोल की रोपाई इस महीने में की जा सकती है और यह तब किया जाना चाहिए जब अंकुर 4-6 सप्ताह के हो जाएं या वे 4-6 पत्ती अवस्था प्राप्त कर लें। |
| मूली | इस महीने में मूली की यूरोपीय किस्में, एशियाई और यूरोपीय किस्मों की गाजर, शलजम और चुकंदर की बुआई की जा सकती है। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | मादा बछियो का मॉ से दूध छः महीने के बाद ही छुड़वाना चाहिए, ताकि उनका शारीरिक विकास अच्छे तरीके से हो सके। |
| भेंस | 'फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए । |